

कार्यालय=आदेश
=====

निदेशक मण्डल के संकल्प सं०:2104/94 एवं संकल्प संख्या: 1384/84 द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार वीरवहन निगम के कर्मचारियों/अधीकारियों को एक माह के मूल वेतन से अधिक के विधिकता अग्रिम स्वीकृत करने का अधिकार अध्यक्ष महोदय में निहित था एवं व्यय की प्रतिपूर्ति के अधिकार प्रबन्ध निदेशक में निहित है। दिनांक 13-8-98 को निगम बोर्ड को 144वें बैठक के संकल्प संख्या: 2232/98 द्वारा निम्नलिखित निर्णय लिया गया:-

"पूर्णकालिक अध्यक्ष को बोर्ड द्वारा समय-समय पर प्रतिनिधायित्व करने वाले आदेशों को अतिरिक्त एवं निष्प्रभावी करते हुए उन्हें निदेशक मण्डल में पुनः निहित किया जाता है परन्तु ऐसे अधिकार जो किसी विधेय के अन्तर्गत अध्यक्ष में निहित किये गये है, वह यथावत बने रहेंगे।"

उपरोक्त से स्पष्ट है कि अध्यक्ष महोदय के समस्त अधिकार निगम बोर्ड में निहित हो गये हैं।

वर्तमान समय में उ०प्र० वीरवहन निगम के विधेय/इकाइयों से कर्मचारियों को विधिकता अग्रिम स्वीकृत किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हो रहे हैं। अतः इनके निस्तारण हेतु निदेशक मण्डल को स्वीकृति का प्रत्याशा में अध्यक्ष महोदय द्वारा निम्न प्रकार विधिकता अग्रिम स्वीकृत करने के अधिकार प्रदत्त करने की अनुमति प्रदान की गई है।

1- विधिकता अग्रिम स्वीकृत करने के सम्बन्ध में ।

इनकी विधिकता अग्रिम की धराराँश

स्वीकृति हेतु सक्षम अधिकारी

1- ₹० 5,000/- तक प्रत्येक प्रकरण में,
परन्तु वर्ष में ₹० 50,000/- तक

वि०न० एवं मुले०अ०/सोमा समाप्ति
के उपरान्त सं०००/वि०अ०/वि०न०

2- ₹० 5,000/- से अधिक स्वया
10,000/- तक प्रत्येक प्रकरण में,
परन्तु वर्ष में ₹० एक लाख तक

अ०००/वि०/सं०००/वि० ४ सोमा समाप्ति
के उपरान्त प्रबन्ध निदेशक

3- ₹० 10,000/- से अधिक ४ वर्ष में
विक्रि भी सोमा तक

प्रबन्ध निदेशक सम्पूर्ण अधिकार

इसी प्रकार विधिकता व्यय प्रतिपूर्ति के सम्बन्ध में जो अधिकार अधीनताक्षरी में निहित हैं उन्हें निम्न प्रकार से विवेकीकरण किया जाता है:-

2- भर्ती अवधि में विद्युत्ता व्यव प्रतिकूर्ति के सम्बन्ध में ।

<u>विद्युत्ता व्यव प्रतिकूर्ति का विवरण</u>	<u>स्वीकृत हेतु सक्षम अधिकारी</u>
1- इनकोर विद्युत्ता की प्रतिकूर्ति हेतु	कार्यालयाध्यक्ष के अधिकार प्राप्यत धरे रहेंगे।
2- इनकोर विद्युत्ता जो प्रतिकूर्ति हेतु कार्यालयाध्यक्ष के अधिकार के अन्तर्गत ₹ 10,000/- के प्रत्येक प्रकरण में।	विद्युत्ता एवं गुणवत्ताधिकारी वर्ष में 5.00 लाख तक, सोमा समाप्ति पर अग्रोपनि/संग्रहोपनि
3- ₹ 10,000/- से अन्तर्गत ₹ 50,000/- प्रत्येक प्रकरण में।	अग्रोपनि/संग्रहोपनि १ वर्षीय रुक्या 10 लाख सोमा समाप्ति पर सुबन्ध निदेशक
4- ₹ 50,000/- से अधिक प्रत्येक प्रकरण में।	सुबन्ध निदेशक १ सम्पूर्ण अधिकारी

पूर्व में विद्युत्ता प्रतिकूर्ति के अतिस्तारित प्रकरणों पर भी यह आदेश तत्कालिक प्रभाव से लागू माने जायेंगे।

ह/

१ देश दीपक वर्मा
सुबन्ध निदेशक

संख्या : समसंख्यक एवं समदिनांकित ।

- प्रतिनीप निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
- 1- मुख्यालय के समस्त अधिकारी।
 - 2- समस्त मण्डलीय प्रधान सुबन्धक, उग्रो परिवहन निगम।
 - 3- समस्त क्षेत्रीय सुबन्धक/सेवा सुबन्धक, उग्रो परिवहन निगम।
 - 4- समस्त सहायक क्षेत्रीय सुबन्धक/विप्रेत १ उग्रो परिवहन निगम।
 - 5- समस्त सम्परोक्षा अधिकारी, उग्रो परिवहन निगम ।

१ एस०सी० सक्सेना
अपर सुबन्ध निदेशक